Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Part A

Faculty: Humanities
Programme: B.A. I (Sem-I) Hindi Literature

POs:

1. छात्रों में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न कराना।
2. हिंदी समृद्ध साहित्यिक परंपरा से छात्रों को अवगत कराना।
3. हिंदी साहित्य की उपादेयता और प्रासंगिकता को अधोरेखित कराना।
4. साहित्य की विभिन्न विधाओं के प्रति रुचि उत्पन्न कर उन्हें संस्कारित कराना।
5. कौशल विकास में सम्मिलित इकाइयों के माध्यम से छात्रों में स्वयं रोजगार की क्षमता विकसित कराना।
6. जीवन में साहित्य की महत्ता और उपादेयता को सुस्पष्ट कराना।
7. छात्रों की संवेदनाओ को जागृत कर उन्हें सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना।

PSOs:

1. छात्रों के साहित्यिक ज्ञान को समृद्ध तथा सशक्त कराना।
2. छात्रों में साहित्यिक कृतियों का विवेचन, विश्लेषण, व्याख्या एवं समीक्षा करने की क्षमता को विकसित कराना।
3. छात्रों में हिंदी में तकनिकी क्रियाकलाप करने की क्षमता को विकसित कराना।
4. संवेदनशीलता, कर्तव्य-परायणता और जागरूक व्यक्तित्व को विकसित कराना।

<u>Employability Potential of the Programme:</u>

Explain in detail in about 3 to 4 pages

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती द्वारा यूजीसी के नवीनतम निर्देशानुसार सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम का निर्माण और क्रियान्वयन करने की दिशा में जो पहल की गई है, वह निश्चित ही स्तुत्य और अभिनंदनीय है। यह तो सर्वविदित तथ्य है कि, यूजीसी के नवीनतम निर्देशों का प्रमुख उद्देश्य और लक्ष्य ही परंपरागत शिक्षा पद्धति की खामियों को दूर कर छात्रों के सर्वांगीण उन्नति का मार्ग प्रशस्त करना है। हिंदी अभ्यास मंडल संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय अमरावती की भी हार्दिक मंशा यही रही है कि, छात्रों को आत्मनिर्भर और स्वयंपूर्ण बनाना ही अध्ययन और अध्यापन का लक्ष्य हो। अस्तु, बी.ए. साहित्य के छात्रों के लिए एक ऐसा पाठ्यक्रम निर्मित तथा क्रियान्वित करने का सार्थक प्रयास किया गया है, जो छात्रों के सर्वांगीण उन्नति के अवसर प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो सके।

साहित्य किसी भी व्यक्ति के आंतरिक और बाह्य व्यक्तित्व का परिमार्जन कर संस्कारित करने की क्षमता रखता है। अतएवं बी.ए. के छात्रों को साहित्य की लगभग सभी प्रमुख विधाओं का परिचय करवा कर, उन्हें उसमें अभिरुचि निर्माण कराने की दिशा में पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार किया गया है। प्राचीन और आधुनिक साहित्य अपनी महत्ता और स्थान रखते हैं, इसलिए इन्हें समान रूप से पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने की कोशिश की गई है। तो वहीं दूसरी ओर, कौशल विकास के अंतर्गत छात्रों को रोजगारोन्मुख तकनीकी ज्ञान और अभ्यास कराने का यत्न किया गया है। जो उसके लिए निश्चित ही उपादेय एवं प्रेरणादायी सिद्ध हो सकता है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि, प्रस्तुत पाठ्यक्रम आत्मनिर्भर, संवेदनशील और राष्ट्र व संस्कृति के प्रति आस्था रखने वाली पीढ़ी

का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों के सकारात्मक एवं प्रेरणादायक विचारों को सुदृढ़ और सक्षम करने में सार्थक सिद्ध होगा। जिससे एक सुदृढ़ समाज और राष्ट्र की नींव रखी जा सकेगी।

Part B
Syllabus Prescribed for 2022-23 Year UG/PG Programme
Programme: B.A. I (Sem-I)
Semester 1

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
1053	हिंदी साहित्य	Per Week 05

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : 'काव्यांजलि'
राघव पब्लिकेशन नागपुर

इकाई 1 : प्राचीन काव्य

1. कबीरदास
2. तुलसीदास
3. सूरदास
4. मीराबाई
5. रहीम

इकाई 2 : 'स्वयंसिद्धा ' शिवानी (कहानी)

प्रकाशन- राधाक्रिष्ण प्रकाशन **प्रायवेट** लिमिटेड जी-१७ जगतपूरी **दिल्ली-110051**

इकाई 3 : साहित्यिक विधाओं का सामान्य परिचय - कहानी, उपन्यास, एकांकी, जीवनी

इकाई 4: सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर 20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न

इकाई 5: आंतरिक मूल्यांकन - कौशल विकास

1. साक्षात्कार - साहित्यकार / जनप्रतिनिधि / समाज सेवक / किसान 10 अंक
2. समाचार पत्रों के लिए वृतांत लेखन 10 अंक

प्रश्नपत्र प्रारूप

इकाई 1	अ) सन्दर्भ सहित व्याख्या विकल्प के साथ	10 x 1 =10
	ब) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ	10 x 1 =10
इकाई 2	) सन्दर्भ सहित व्याख्या विकल्प के साथ	10 x 1 =10
	ब) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ	10 x 1 =10
इकाई 3	दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ	10 x 1 =10
	ब) लघुत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ	5 x 2 =10
इकाई 4	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित अतिलघुत्तरी / वस्तुनिष्ठ	20 x 1 = 20
इकाई 5	: आंतरिक मूल्यांकन- हिंदी कौशल विकास	20

Cos –

1. छात्र साहित्य का विवेचन, विश्लेषण और समीक्षा कर सकेंगे ।
2. छात्र संत वाणी की उपादेयता और महत्ता को अनुभूति और अभिव्यक्ति करने में सक्षम होंगे ।

3. विभिन्न चरणों में लिखे गये साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति और इतिहास का अध्ययन करने में समर्थ होंगे ।

4. कौशल विकास के अंतर्गत सम्मिलित इकाइयों के माध्यम से तकनिकी ज्ञान प्राप्त सकेंगे ।

5. छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तितत्व का निर्माण करने की आधारशीला रखी जायेगी ।

Unit	**Content**
Unit I	**--(periods)**
Unit II	**--(periods)**
Unit III	**--(periods)**
Unit IV	**--(periods)**
Unit V	**--(periods)**
Unit VI if applicable	**--(periods)**
***SEM**	
COs: १. **प्राचीन काव्य के माध्यम से छात्र हिंदी की काव्य परंपरा से परिचित होंगे।** २. **छात्र अन्य लघु उपन्यास का अध्ययन कर सकेंगे।** ३. **छात्र साहित्य की गद्‍य विधाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।** ४. **छात्र साक्षात्कार के लिए समाज के विभिन्न घटकों का मूल्यांकन कर सकेंगे।** ५. **छात्र समाचार-लेखन करेंगे।**	
**Activities	**1. समाचार पत्रों के लिए वृतांत लेखन** **2. साक्षात्कार** *Add more if needed* **(periods)**

Course Material/Learning Resources

Text books:

Reference Books:

Weblink to Equivalent MOOC on SWAYAM if relevant:

Weblink to Equivalent Virtual Lab if relevant:

Any pertinent media (recorded lectures, YouTube, etc.) if relevant:

IMPORTANT NOTES:

Note: Please use Times New Roman 10 point font

***SEM needs to be designed only for Courses in all UG Programmes**

****Activities/Assignments/tasks/projects (individual/group)**

Some Tips to extract and mine skill components from the Course (for ready reference)

What do you expect Students to LEARN or EXPERIENCE in the SEM/SEC?

Identify Employability Skills for SEM/SEC		
☐ Interpersonal Skills	☐ Information Use	☐ Technology Use
☐ Personal Qualities	☐ Communication Skills	☐ Applied Academic Skills
☐ Resource Management	☐ Systems Thinking	☐ Critical Thinking Skills

Employability Skills Categories

Effective Relationships	Interpersonal Skills Personal Qualities
Workplace Skills	Resource Management Information Use Communication Skills Systems Thinking Technology Use
Applied Knowledge	Applied Academic Skills Critical Thinking Skills